Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006
Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal,Meghwal Shri Kailash

>

Title : Regarding supply of water to the Kewladev National Bird Sanctuary in Bharatpur.

श्री कैलाश मेघवाल (टोंक) : माननाय उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान के भरतपुर में स्थित केवला देव राट्रीय पक्षी विहार है। यह पक्षी विहार युनेस्को द्वारा अंतर्राट्रीय विरासत घोाित किया गया है। अफ्रीका के बाद यह सबसे बड़ा पक्षी विहार है। इस पक्षी विहार में रूस के साइबेरिया क्षेत्र तथा विश्व के अन्य क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर पक्षी आते हैं। यह विश्व के पक्षी प्रेमी पर्यटकों का आर्काण होने के साथ ही भरतपुर की अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा सम्बल है। इस विहार की दलदली में जो 18 ताल-तलैया हैं, उनमें एक सतह तक पानी रहता है। उस पानी की निरंतरता बनाये रखने की आवश्यकता है। अगर उसमें कमी आती है, तो घना पक्षी विहार में जो कई तरह के पक्षी आते हैं, वे वापस चले जाते हैं। ऐसी स्थिति में 1991 में 500 एमसीएफ पानी रिजर्व किया गया था लेकिन किसान कई बार पानी रोक देते हैं। पानी नहीं होने के कारण घना पक्षी विहार को बहुत हानि उठानी पड़ती है। इसलिए मेरी मांग है कि चम्बल से पानी लाकर घना पक्षी विहार में डालने के लिए जो 100 करोड़ रुपये की योजना केन्द्रीय सरकार को भेजी गयी है, उसे मंजूर किया जाये। उसके साथ यमुना के पानी से विशेा तौर से इस भरतपुर के घना पक्षी विहार के लिए पानी की मात्रा तय की जाये। इसमें 376 तरह की प्रजातियों के पक्षी आते हैं जो यहां प्रजनन भी करते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, अभी इसके रख-रखाव का सारा खर्चा राजस्थान सरकार उठाती है लेकिन इसमें जितना पैसा खर्च करना चाहिए, उतना राजस्थान सरकार खर्च नहीं कर सकती। इसलिए केन्द्रीय सरकार से निवेदन है कि इस घना पक्षी विहार हेतु पानी की निरंतरता बनाये रखने के लिए वह सारी योजनाएं स्वीकार करे ।

श्री गिरधारी लाल भार्गव : उपाध्यक्ष महोदय, अभी 'क' राशि के दोनों माननीय सदस्य श्री कैलाश मेघवाल और डॉ. कर्ण सिंह यादव ने राजस्थान के बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न बोले हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन दोनों वियों के साथ मेरा नाम भी जोड़ दिया जायÉä[p109]।